प्रेम का आरम्भ

~ गुरुमाई चिद्विलासानन्द

शुभ दीपावली! नूतन वर्षाभिनन्दन!

नवीन वर्ष

अनन्त हर्ष

अपार गुरुकृपा

अद्भुत महाप्रसाद

अन्तर नीला प्रकाश

बाहर नीला आकाश

सूनापन ग़ायब

अपनापन—इश्क़ की इब्तिदा

सर्वत्र समारोह

आनन्द तरोताज़ा

हर नज़ारा शादाब

हर रूह शाद-आबाद

© २०२३ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।